महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2017-19) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थियों,

जिन प्रशिक्षुओं ने बी.एड. प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है ऐसे सभी छात्रों की प्रवेश सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेशित छात्रों को सूचित किया जाता है कि बी.एड. प्रथम सत्र के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अध्ययन केंद्र पर **30 अप्रैल 2018** तक लिखकर प्रस्तुत करें। बी.एड. **प्रथम सत्र** के सत्रीय कार्य निम्नानुसार हैं -

शिक्षा 011 – शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन

शिक्षा 012 – शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ

शिक्षा 013 – समकालीन भारत एवं शिक्षा

शिक्षा 014 – शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी

शिक्षा 015 – विद्यालय संगठन एवं प्रशासन

उद्देश्य - सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठयक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रुप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यावहारिक रुप से सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यावहारिक, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश – सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता, और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्यास्पष्ट लिखे।

(Cover page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अध्ययन केंद्र का नाम : ....

पंजीयन संख्या: ....

नामांकन संख्या : ....

नाम : ....

पता : ....

....

....

मो. : ....

ई-मेल : ....

दिनांक : ....

पाठ्यक्रम का नाम : बी.एड.

प्रश्न पत्र का शीर्षक : ....

प्रश्न-पत्र कोड : ....

विद्यार्थी हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत किया जा रहा है।
2. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A_4) आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन सभी कागजों में केवल एक तरफ का ही प्रयोग करें।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand written) में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, बोधगम्य और स्पष्ट हो।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

(पाठ्यक्रम संयोजक)

बी.एड. (सत्र 2017-19) प्रथम सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 011

प्रश्न पत्र : शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड - प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. भारतीय परिपेक्ष्य में शिक्षा की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।

02. सीखना या अधिगम से आप क्या समझते है?

03. रूसो के प्रकृतिवाद व्याख्या किजिये।

04. पाउलो फ्रेरे के शैक्षिक दर्शन के आधार पर शिक्षण विधियों की उपादेयता स्पष्ट कीजिये।

05. मूल्यों के संवर्धन में अध्यापक एवं विद्यालय की भूमिका को रेखांकित किजिये।

06. बन्दूरा के सामाजिक अधिगम सिद्धान्त की व्याख्या किजिये।

खंड - द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. योग दर्शन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, छात्र-शिक्षक सम्बन्ध की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।

02. 'न्याय दर्शन वस्तुत: ज्ञान प्राप्ति की तर्कयुक्त समीक्षात्मक प्रणाली है' इस सूक्ति के सन्दर्भ में न्याय दर्शन की शैक्षिक सिद्धान्तों की विवेचना किजिये।

03. महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा योजना वर्तमान शिक्षा व्यवस्था से किस प्रकार भिन्न है, अपने तर्कों के आधार पर बुनियादी शिक्षा योजना का मूल्यांकन करें।

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) प्रथम सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा - 012

प्रश्न पत्र : शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड - प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. मानव विकास की अवधारणा से आप क्या समझते है?

02. वृद्धि एवं विकास में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

03. विकास को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकों का वर्णन किजिये |

04. बालक के आत्म संप्रत्यय के विकास में नैतिक विकास किस प्रकार सहायता प्रदान करता है?

05. संज्ञानात्मक विकास से क्या तात्पर्य है?

06. शैशवावस्था को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण एवं अनोखा काल क्यों कहा जाता है ?

खंड - द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. बालक के संज्ञात्मक विकास की प्रक्रिया में समुदाय, परिवार व शिक्षक की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये?

02. कोहल वर्ग के नैतिक विकास के सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये?

03. किशारोवस्था तनाव, तूफान एवं संघर्ष की अवस्था है | इस कथन के सन्दर्भ में किशारोवस्था की विशेषताओं का वर्णन किजिये?

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा -013

प्रश्न पत्र : समकालीन भारत एवं शिक्षा

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड – प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. वैदिक कालीन शिक्षा के गुण बताइये|

02. राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्पष्ट कीजिये |

03. शिक्षा के केन्द्रीय अभिकरणों के नाम लिखिए |

04. आदर्श समय सारिणी के गुण-दोषों को लिखिए |

05. बुनियादी शिक्षा की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए |

06. बौद्धकालीन शिक्षा के दोषों को स्पष्ट कीजिए |

खंड – द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. यदि आपकी कक्षा में कोई विद्यार्थी अनुशासन हीनता करता है तो आप क्या करेंगे? अनुशासन हीनता को स्पष्ट करते हुए रोकथाम के उपाय बताइए |

02. एक प्रधानाचार्य के रूप में आप अपने विद्यालय व समाज में बालिकाओं के उत्थान के लिए क्या प्रयास करेंगे? स्पष्ट कीजिए |

03. प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किये जाने वाले प्रयासों को स्पष्ट कीजिए |

****

बी.एड.- प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य : सत्र - 2017 - 19

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 014

प्रश्न पत्र : शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड - प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

07. सूचना एवं संचार तकनीकी का अर्थ बताईये।

08. इ-लर्निंग से आप क्या समझते है ?

09. स्मार्ट क्लासरुम की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

10. अभिक्रमित अनुदेशन की विशेषता बताईये।

11. भाषा शिक्षण में भाषा प्रयोगशाला की उपयोगिता को विश्लेषित कीजिए।

12. वृत्तिक विकास में सूचना एवं संचार तकनीकी का महत्व स्पष्ट कीजिए।

खंड - द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. विद्यार्थियों के ज्ञान निर्माण में सूचना एवं संचार तकनीकी किस प्रकार सहायक है ? आप अपनी कक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी का प्रयोग किस प्रकार करेंगे|

02. विद्यालय प्रबंधन में सूचना एवं संचार तकनीकी किस प्रकार उपयोगी है ? विद्यालय प्रबंधन के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना का निर्माण करें |

03. विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को सूचना एवं संचार तकनीकी की सहायता से किस प्रकार सरल बनाया जाए ? उदाहारण सहित स्पष्ट करें ?

****

बी.एड.- प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य : सत्र - 2017 - 19

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा -015

प्रश्न पत्र : विद्यालय संगठन एवं प्रशासन

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल 2018 तक अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नोंके उत्तर A4 साईज (आकार)के कागज की एक तरफ लिखें।

खंड –प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. राज्य शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण प्रशिक्षण परिषद (S.C.E.R.T.) के प्रमुख कार्य क्या है ?
02. जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) के प्रमुख उद्देश्य क्या है ?
03. शैक्षिक प्रशासन की प्रमुख विशेषतायें बताइये।
04. शैक्षिक प्रबंधन के क्षेत्र स्पष्ट करें।
05. विद्यालय में प्रयोगशाला का महत्व स्पष्ट करें।
06. प्राचार्य के मुख्य कार्यों को स्पष्ट करें।

खंड-द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. पुस्तकालय की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुये पुस्तकालय अध्यक्ष के कार्यों को स्पष्ट करें।
02. विद्यालय बजट के महत्व का उल्लेख करते हुये यह स्पष्ट कीजिये कि बजट बनाते समय किन बातों को ध्यान में रखना चाहिये।
03. स्वास्थ्य शिक्षा के उद्देश्य स्पष्ट करते हुए विद्यालय में स्वास्थ्य शिक्षा के महत्व की व्याख्या करें।

****